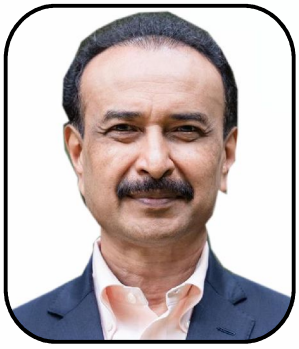

SHRI PRASHANTH PRAKASH

Shri Prashanth Prakash is known for playing a key role in defining India's entrepreneurial and philanthropic landscape since the mid-90s, and is particularly renowned for his strategic interventions in the startup space - backing homegrown, high-growth ventures that are valued at billions today.

2. Born on 29th May, 1965 in Bengaluru, Karnataka, Shri Prakash received his Bachelor of Engineering (Computer Science) from Bangalore University in 1988, and Master's Degree in Computer Science from the University of Delaware, USA in 1990. He has also been awarded a Doctorate from the University of Mysore.

3. Shri Prakash is the Founding Partner of Accel India. He also serves as the Chairman/ Founding partner of multiple non-profits including ACT Grants, United Way Bengaluru, Unboxing BLR Foundation, Sikshana Foundation and Krishikalpa Foundation. He is a Founding Partner of the Chanakya Center for Sustainability, and is part of the Founding Group at Plaksha University. He founded Visual Reality, one of India's first animation companies, in 1996. The next year, he co-founded NetKraft, which emerged as a leader in offshore solutions for both retail and healthcare sectors. He co-founded Erasmic Ventures in 2004, one of India's first seed-stage funds, which later merged with Accel, one of the earliest global venture capital firms to enter India. As the founding partner of Accel India, he made audacious early bets investing in nascent companies that went on to redefine consumer experiences across the globe - Flipkart, Swiggy, BookMyShow, BlueStone, Infra.Market, AgroStar, Clever Tap and RentoMojo etc being a few notable names that have been instrumental in shaping eCommerce, digital consumer brands, agritech, B2B, and global value chains. He has invested in over 50 other companies and has served on the boards of more than 30 organisations.

4. Shri Prakash is the Founding Patron of Longevity India and has enabled research in the field of longevity and aging in the country. In August, 2022, he partnered with the Indian Institute of Science (IISc) to set up a geriatrics wing as part of IISc's upcoming Bagchi-Parthasarathy Hospital. His contributions to this initiative were acknowledged by the President Smt. Droupadi Murmu during the 2023 Visitor's Conference at Rashtrapati Bhavan.

5. Shri Prakash is a member of the National Startup Advisory Council, where he advises government bodies on how to build a strong ecosystem for startups and innovation. He has also served as the Strategy & Policy Advisor to the Chief Minister, Karnataka. His leadership as the Chairman of Karnataka's Vision Group for Startups has yielded excellent results including the crafting of an enabling policy framework for startups. Through initiatives like Elevate, Unnati, and the Karnataka Digital Economy Mission (KDEM), he has helped in nurturing both entrepreneurs and investors alike. In 2020, he co-founded ACT Grants - Action Covid Taskforce; a coalition of entrepreneurs, venture capitalists, and social impact leaders who collectively raised a Rs 100 crore fund to support critical healthcare needs during the period. He was chosen as the Social Impact Leader in 2021 for his philanthropic work by ASSOCHAM. He leads the Culkey Foundation, which preserves Karnataka's cultural and tourism assets through initiatives like Namma Smaraka and ONE-TAC, a digital platform enhancing accessibility and support for local artisans and small businesses.

6. Shri Prakash is the recipient of numerous awards and recognitions.

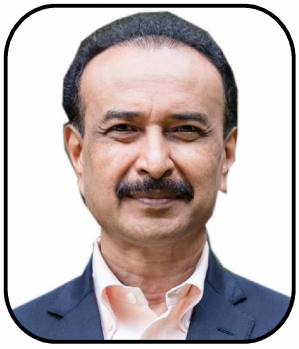

श्री प्रशांत प्रकाश

श्री प्रशांत प्रकाश को 90 के दशक के मध्य से भारत की उद्यमशीलता और परोपकारी गतिविधियों को परिभाषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है, और वह विशेष रूप से स्टार्टअप स्पेस में अपने कार्यनीतिक प्रयासों के लिए प्रसिद्ध हैं दृ जिसमें घरेलू, उच्च–विकास वाले उद्यमों की सहायता करना है, जिनकी पूंजी आज अरबों में है।

2. 29 मई, 1965 को कर्नाटक के बेंगलुरु में जन्मे, श्री प्रकाश ने वर्ष 1988 में बैंगलोर विश्वविद्यालय से बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग (कंप्यूटर साइंस) और वर्ष 1990 में यूनिवर्सिटी ऑफ डेलावेयर, यूएसए से कंप्यूटर साइंस में मास्टर डिग्री प्राप्त की। उन्हें मैसूर विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि भी प्रदान की गई है।

3. श्री प्रकाश एक्सेल इंडिया के संस्थापक भागीदार हैं। वह एसीटी ग्रांट्स, यूनाइटेड वे बेंगलुरु, अनबॉक्सिंग बीएलआर फाउंडेशन, शिक्षा फाउंडेशन और कृषिकल्प फाउंडेशन सहित कई गैर–लाभकारी संस्थाओं के अध्यक्ष/संस्थापक भागीदार के रूप में भी काम करते रहे हैं। वह चाणक्य सेंटर फॉर सस्टेनेबिलिटी के संस्थापक भागीदार हैं और प्लाक्षा विश्वविद्यालय के संस्थापक समूह का हिस्सा हैं। उन्होंने वर्ष 1996 में भारत की पहली एनीमेशन कंपनी, विजुअल रियलिटी की स्थापना की। अगले वर्ष, उन्होंने नेटक्राफ्ट की सह–स्थापना की जिसने रिटेल और स्वास्थ्य सेवा दोनों क्षेत्रों के लिए लीक से हटकर समाधान करने में अग्रणी भूमिका निभाई । उन्होंने वर्ष 2004 में भारत के पहले सीड–स्टेज फंडों में से एक, इरास्मिक वेंचर्स की सह–स्थापना की, जिसका बाद में एक्सेल के साथ विलय हो गया, जो भारत में प्रवेश करने वाली शुरुआती वैश्विक उद्यम पूंजी फर्मों में से एक थी। एक्सेल इंडिया के संस्थापक भागीदार के रूप में, उन्होंने शुरुआती दौर में ही उन अभिनव कंपनियों में निवेश करने का साहसिक कदम उठाया, जिन्होंने दुनिया भर में उपभोक्ता अनुभवों को फिर से परिभाषित किया – फ्लिपकार्ट, स्विगी, बुकमायशो, ब्लूस्टोन, इंफ्रा.मार्केट, एग्रोस्टार, क्लेवर टैप और रेंटोमोजो आदि कुछ उल्लेखनीय नाम हैं जिन्होंने ई–कॉर्मस, डिजिटल उपभोक्ता ब्रांड, एग्रीटेक, बीटूबी और ग्लोबल वैल्यू चेन के विकसित करने में बड़ी भूमिका निभाई। उन्होंने 50 से अधिक अन्य कंपनियों में निवेश किया और 30 से अधिक संगठनों के बोर्ड में कार्य किया।

4. श्री प्रकाश लॉन्गविटी इंडिया के संस्थापक संरक्षक हैं और उन्होंने देश में दीर्घायु और बढ़ती उम्र के क्षेत्र में अनुसंधान को सक्षम बनाया है। अगस्त, 2022 में, उन्होंने आईआईएससी के आगामी बागची–पार्थसारथी अस्पताल के हिस्से के रूप में जेरियाट्रिक्स विंग स्थापित करने के लिए भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के साथ भागीदारी की। राष्ट्रपति भवन में वर्ष 2023 के विजिटर कॉन्फ्रेंस के दौरान इस पहल में उनके योगदान की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा सराहना की गई।

5. श्री प्रकाश राष्ट्रीय स्टार्टअप सलाहकार परिषद के सदस्य हैं, जहाँ वह सरकारी निकायों को स्टार्टअप और नवाचार के लिए एक मजबूत इको–सिस्टम बनाने के बारे में परामर्श देते हैं। उन्होंने कर्नाटक के मुख्यमंत्री के कार्यनीतिक और नीति सलाहकार के रूप में भी काम किया है। स्टार्टअप के लिए कर्नाटक के विज़न ग्रुप के अध्यक्ष के रूप में उनके नेतृत्व ने स्टार्टअप के लिए एक सक्षम नीतिगत ढाँचे को तैयार किया, जिससे उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त हुए हैं। एलिवेट, उन्नति और कर्नाटक डिजिटल इकोनॉमी मिशन (केडीईएम) जैसी पहलों के माध्यम से, उन्होंने उद्यमियों और निवेशकों दोनों को समान रूप से प्रोत्साहित करने में मदद की है। वर्ष 2020 में, उन्होंने एटीसी ग्रांट्स – एक्शन कोविड टास्कफोर्स की सह–स्थापना की; उद्यमियों, उद्यम पूंजीपतियों और सामाजिक रूप से प्रभावी नेताओं का एक गठबंधन, जिन्होंने सामूहिक रूप से इस अवधि के दौरान महत्वपूर्ण स्वास्थ्य देखभाल संबंधी आवश्यकताओं में सहयोग करने के लिए 100 करोड़ रुपये का फंड जुटाया। उन्हें एएसएसओसीएचएएम द्वारा उनके परोपकारी कार्यों के लिए वर्ष 2021 में सामाजिक रूप से प्रभावी नेता के रूप में चुना गया था। वह कुल्की फाउंडेशन का नेतृत्व करते हैं, जो नम्मा स्मारक और वन–टीएसी, वन–टीएसी एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो स्थानीय कारीगरों और छोटे व्यवसायों के लिए पहुंच और समर्थन बढ़ाता है जैसी पहलों के माध्यम से कर्नाटक की सांस्कृतिक और पर्यटन परिसंपत्तियों को संरक्षित करता है।

6. श्री प्रकाश को कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं।